कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

गोल्डन ग्लोब रेस

गोल्डन ग्लोब रेस

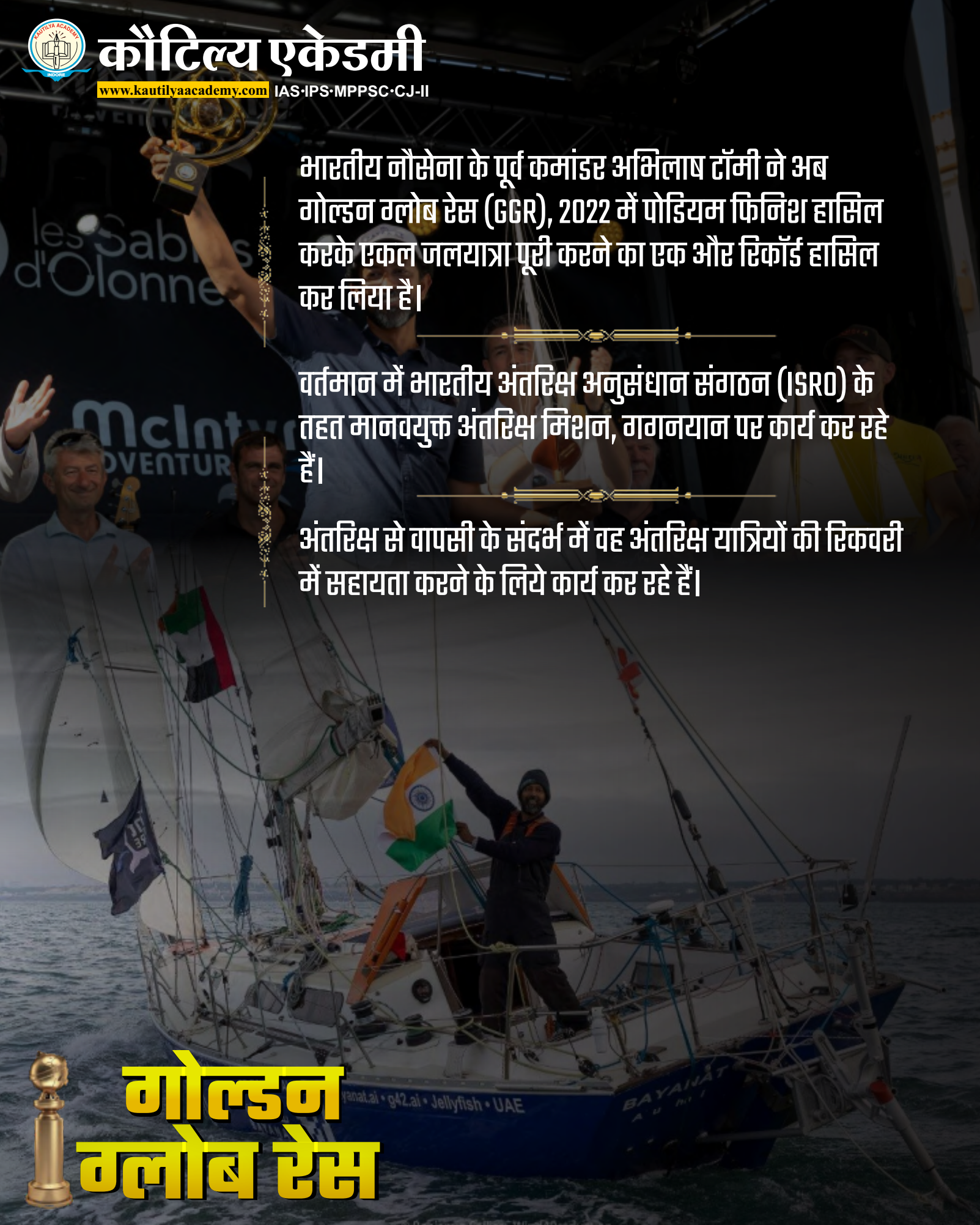

भारतीय नौसेना के पूर्व कमांडर अभिलाष टॉमी ने अब गोल्डन ग्लोब रेस (GGR), 2022 में पोडियम फिनिश हासिल करके एकल जलयात्रा पूरी करने का एक और रिकॉर्ड हासिल कर लिया है।

वर्तमान में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के तहत मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन, गगनयान पर कार्य कर रहे हैं।

अंतरिक्ष से वापसी के संदर्भ में वह अंतरिक्ष यात्रियों की रिकवरी में सहायता करने के लिये कार्य कर रहे हैं।

गोल्डन ग्लोब रेस

गोल्डन ग्लोब रेस विश्व भर में एक नॉन-स्टॉप, एकल, बिना सहायता वाली नौका दौड़ है जो पहली बार वर्ष 1968-69 में आयोजित की गई थी।

इस दौड़ का दूसरा संस्करण 50 साल बाद वर्ष 2018 में आयोजित किया गया था।

यह नौकायन एक निर्धारित मार्ग में होती है, जिसमें तीन महान अंतरीपों (दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप, ऑस्ट्रेलिया के केप लीउविन और चिली के केप हॉर्न) को शामिल किया गया है।

गोल्डन ग्लोब रेस

युद्धपोत महेंद्रगिरि

भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत 'महेंद्रगिरि', प्रोजेक्ट 17ए का सातवां स्टील्थ फ्रिगेट शुक्रवार को लॉन्च किया गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने मुंबई में जहाज को लांच किया।

इस प्रोजेक्ट के जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है।

जहाज का नाम ओडिशा स्थित पूर्वी घाट के एक पर्वत शिखर के नाम पर रखा गया है, जिस पर ब्रह्मोस मिसाइल की भी तैनाती हो सकती है।

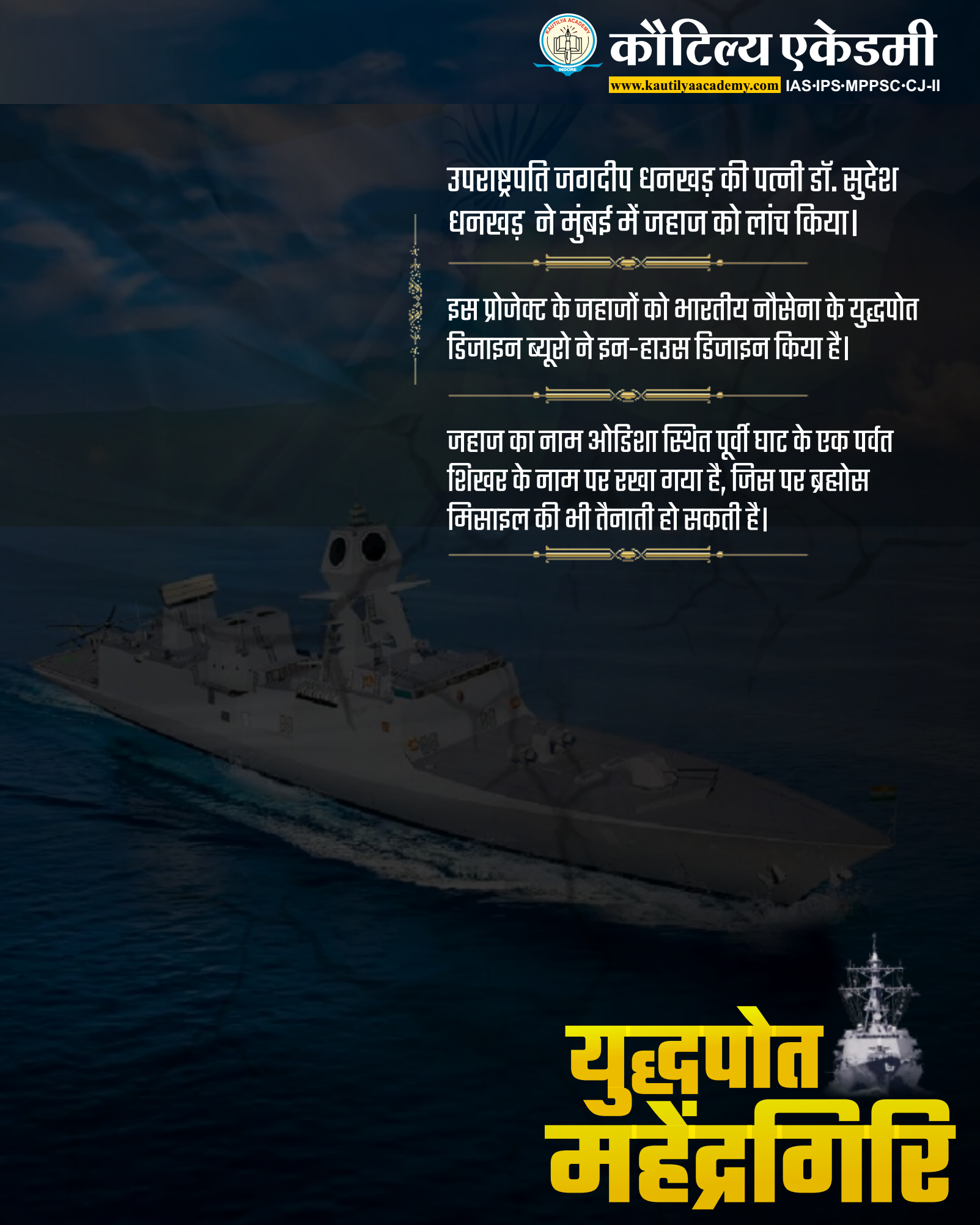

युद्धपोत महेंद्रगिरि

इसमें भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोतों और पनडुब्बियों और अपतटीय तेल ड्रिलिंग के लिए अपतटीय प्लेटफार्मों और संबंधित सहायक जहाजों का निर्माण भी किया जाता है।

यह रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रबंधित एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, एमडीएल में भारत सरकार की 84.83% हिस्सेदारी है।

युद्धपोत महेंद्रगिरि

प्रोजेक्ट 17A

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

प्रोजेक्ट 17, अल्फा फ्रिगेट्स (P-17A) को भारतीय नौसेना द्वारा वर्ष 2019 में स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट की एक श्रृंखला के निर्माण के लिये लॉन्च किया गया था।

इनका निर्माण वर्तमान में दो कंपनियों मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स (MDL) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा किया जा रहा है।

इन गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट्स का निर्माण एक विशिष्ट स्टील्थ डिज़ाइन के साथ किया गया है, जिसमें रडार से बचने की तकनीक शामिल है जो इसे दुश्मन की नज़रों से बचाता है।

नई तकनीक से जहाज़ के इंफ्रारेड सिग्नल भी कम हो जाते हैं।

प्रोजेक्ट 17A के तहत लॉन्च किया गया पहला स्टील्थ शिप नीलगिरि था, जिसे वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया था।

दूसरे जहाज़ उदयगिरि को मई 2022 में लॉन्च किया गया था जिसे वर्ष 2024 में चालू किया जाएगा।

वर्तमान स्थिति: इसके अलावा MDL और GRSE में सात पी 17A फ्रिगेट निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

युद्धपोत महेंद्रगिरि